J.P.S.

NH-16, Gangapada, Khurda

2025-26

प्रकरण - गीत-अगीत

विपिन कुमार यादव
{ टी. जी. टी. हिंदी विभाग }

पाठ – पद - रैदास

कवि – रा.सिं.दि.

कवि
रामधारी सिंह दिनकर

रामधारी सिंह दिनकर का जन्म बिहार के मुंगेर जिले के सिमरिया गाँव में 30 सितंबर 1908 को हुआ। वे सन् 1952 में राज्यसभा के सदस्य मनोनीत किए गए। भारत सरकार ने इन्हें 'पभूषण' अलंकरण से भी अलंकृत किया। दिनकर जी को 'संस्कृति के चार अध्याय' पुस्तक पर साहित्य अकादमी पुरस्कार मिला। अपनी काव्यकृति 'उर्वशी' के लिए इन्हें ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

दिनकर की प्रमुख कृतियाँ हैं : हुँकार, कुरुक्षेत्र, रश्मिरथी, परशुराम की प्रतीक्षा, उर्वशी और संस्कृति के चार अध्याय।

पाठ में प्रवेश

कवि - रैदास

प्रस्तुत कविता ‘गीत-अगीत’में कवि ने प्रकृति की सुंदरता के साथ-साथ जीव-जंतुओं के प्रति प्रेम, मानवीय राग और प्रेमभाव का भी सजीव चित्रण किया है। कवि को कहीं नदी के बहाव में गीत का जन्म होता हुआ जान पड़ता है, तो कहीं शुक-शुकी नामक पक्षी के कार्यकलापों में भी गीत सुनाई देता है और जब एक लोक गीत को गाता प्रेमी गीत-गान में निमग्न दिखाई देता ही है।

कवि का मानना है कि गुलाब का फूल, शुकी पक्षी और प्रेमिका प्रत्यक्ष रूप से गीत का निर्माण न किया हो या गीत-गान भले ही न कर रहे हों, पर दरअसल वहाँ गीत का निर्माण और गान भी हो रहा है। प्रस्तुत कविता में कवि यह प्रश्न कर रहा है कि मेरे द्वारा गया गया गीत सुन्दर है या प्रकृति के द्वारा न गा सकने वाला अगीत सुन्दर है?

काव्य खण्ड -1

गाकर गीत विरह के तटिनी
वेगवती बहती जाती है,
दिल हलका कर लेने को
उपलों से कुछ कहती जाती है।
तट पर एक गुलाब सोचता
"देते स्वर यदि मुझे विधाता,
अपने पतझर के सपनों का
मैं भी जग को गीत सुनाता।"
गा गाकर बह रही निर्झरी,
पाटल मूक खड़ा तट पर है।
गीत, अगीत, कौन सुंदर है?

शब्दार्थ:

तटिनी – नदी, तटों के बीच बहती हुई
वेगवती – तेज़ गति से
उपलों – किनारों से
विधाता – ईश्वर
निर्झरी – झरना, नदी
पाटल – गुलाब

व्याख्या: काव्य खण्ड -1

कविता के इस भाग में नदी के बहने से जो सुन्दर दृश्य दिखाई देता है कवि ने उसका बहुत सुन्दर वर्णन किया है। कवि कहता है कि नदी को बहता हुआ देखते हुए ऐसा लगता है जैसे नदी किसी के बिछड़ने के दुःख में दुखी होते हुए गीत गाते हुए बड़ी तेजी से बह रही है। ऐसे में लगता है कि वह अपना दुःख कम करने के लिए किनारों से कुछ कहती हुई बहती जा रही है। कवि कहता है कि किनारे के पास में ही एक गुलाब चुपचाप यह सब देख रहा है और अपने मन में सोच रहा है कि यदि भगवान ने उसे भी बोलने की शक्ति दी होती तो वह भी पूरी दुनिया को अपने सपनों के गीत सुनाता। झरना भी बह-बह कर गीत गा रहा है और गुलाब किनारे पर चुपचाप खड़ा है। कवि यह सब देखकर सोच रहा है कि मेरे द्वारा गया गया गीत सुन्दर है या प्रकृति के द्वारा न गा सकने वाला अगीत सुन्दर है?

काव्य खण्ड -2

बैठा शुक उस घनी डाल पर
जो खोंते को छाया देती।
पंख फुला नीचे खोंते में
शुकी बैठ अंडे है सेती।
गाता शुक जब किरण वसंती
छूती अंग पर्ण से छनकर।
किंतु, शुकी के गीत उमड़कर
रह जाते सनेह में सनकर।
गूँज रहा शुक का स्वर वन में,
फूला मग्न शुकी का पर है।
गीत, अगीत, कौन सुंदर है?

शब्दार्थ:

शुक – तोता
खोंते – घोंसला
पर्ण – पत्ता, पंख
शुकी – मादा तोता

व्याख्या: काव्य खण्ड -2

कविता के इस भाग में कवि तोता और मादा-तोता के प्रेम का सुन्दर वर्णन करता हुआ कहता है कि एक तोता पेड़ की उस घनी डाली पर बैठा हुआ है जो डाल उसके घोंसले को छाया देती है। उसी घोंसलें में उस तोते की मादा अपने पंखों को फैला कर अपने अंडे से रही है। कवि कहता है कि जब सूर्य की किरणें पत्तों से छनकर आती हैं और तोते के पंखों का स्पर्श करती हैं तो तोता गाना गाने लगता है। उसका गाना सुनकर उसकी मादा भी गाना चाहती है लेकिन उसका गीत केवल तोते के प्यार में लिपट कर रह जाता है और उसके मुँह से कुछ नहीं निकलता।

उधर तोते का गीत पूरे वन में गूँज रहा है और इधर उसकी मादा उसका गीत सुनकर फूले नहीं समा रही है। अर्थात वह बहुत खुश है। कवि यह सब देखकर सोच रहा है कि मेरे द्वारा गया गया गीत सुन्दर है या प्रकृति के द्वारा न गा सकने वाला अगीत सुन्दर है?

काव्य खण्ड -3

दो प्रेमी हैं यहाँ, एक जब
बड़े साँझ आल्हा गाता है,
पहला स्वर उसकी राधा को
घर से यहीं खींच लाता है।
चोरी-चोरी खड़ी नीम की
छाया में छिपकर सुनती है,
'हुई न क्यों मैं कड़ी गीत की
बिधना', यों मन में गुनती है।
वह गाता, पर किसी वेग से
फूल रहा इसका अंतर है।
गीत, अगीत कौन सुंदर है?

शब्दार्थ:

आल्हा – एक लोक-गीत का नाम
कड़ी – वे छंद जो गीत को जोड़ते हैं
बिधना – भाग्य, विधाता
गुनती – विचार करती है
वेग – गति

व्याख्या: काव्य खण्ड -3

कविता के इस भाग में कवि दो प्रेमियों का वर्णन करता हुआ कहता है कि वन में दो प्रेमी रहते हैं। दोनों प्रेमियों में से जब एक प्रेमी शाम के समय कोई लोक गीत गाता है तो उसकी प्रेमिका उस गाने को सुनने के लिए अपने घर से वन की ओर खिंची चली आती है। वह चोरी से छुप-छुप कर अपने प्रेमी का गाना सुनती है और मन में सोचती है कि वह उस गीत का हिस्सा क्यों नहीं बनती। जब प्रेमी गाता है तो प्रेमिका का मन प्रसन्नता से फूले नहीं समाता है। कवि यह सब देखकर सोच रहा है कि मेरे द्वारा गया गया गीत सुन्दर है या प्रकृति के द्वारा न गा सकने वाला अगीत सुन्दर है?

NCERT QUESTION

प्रश्न 1 – नदी का किनारों से कुछ कहते हुए बह जाने पर गुलाब क्या सोच रहा है? इससे संबंधित पंक्तियों को लिखिए।

उत्तर – जब नदी अपना दुःख कम करने के लिए किनारों से कुछ कहती हुई बह रही है तो किनारे पर एक गुलाब सोचने लगता है कि यदि भगवान उसे बोलने की शक्ति दी होती तो वह भी अपने सपनों के गीत सबको सुनाता। इससे संबंधित पंक्तियाँ निम्नलिखित हैं –

"देते स्वर यदि मुझे विधाता,
अपने पतझर के सपनों का
मैं भी जग को गीत सुनाता।"

NCERT QUESTION

प्रश्न 2 – जब शुक गाता है, तो शुकी के हृदय पर क्या प्रभाव पड़ता है?

उत्तर – जब सूर्य की किरणें पत्तों से छनकर आती हैं और तोते के पंखों का स्पर्श करती हैं तो तोता गाना गाने लगता है। उसका गाना सुनकर उसकी मादा भी गाना चाहती है लेकिन उसका गीत केवल तोते के प्यार में लिपट कर रह जाता है और उसके मुँह से कुछ नहीं निकलता। उधर तोते का गीत पूरे वन में गूँज रहा है और इधर उसकी मादा उसका गीत सुनकर फूले नहीं समा रही है।

NCERT QUESTION

प्रश्न 3 – प्रेमी जब गीत गाता है, तो प्रेमी की क्या इच्छा होती है?

उत्तर – जब प्रेमी गीत गाता है तो प्रेमिका चोरी से छुप-छुप कर अपने प्रेमी का गाना सुनती है और मन में सोचती है कि वह उस गीत का हिस्सा क्यों नहीं बनती।

NCERT QUESTION

प्रश्न 4 – प्रथम छंद में वर्णित प्रकृति चित्रण को लिखिए।

उत्तर – कविता के प्रथम छंद में नदी के बहने से जो दृश्य उत्पन्न होता है उसका कवि ने मनोहारी वर्णन किया है। नदी विरह के गीत गाते हुए बड़ी तेजी से बह रही है। ऐसा लगता है जैसे नदी किसी के बिछड़ने के दुःख में दुखी होते हुए गीत गाते हुए बड़ी तेजी से बह रही है। ऐसे में लगता है कि वह अपना दुःख कम करने के लिए किनारों से कुछ कहती हुई बहती जा रही है। कवि कहता है कि किनारे के पास में ही एक गुलाब चुपचाप यह सब देख रहा है और अपने मन में सोच रहा है कि यदि भगवान ने उसे भी बोलने की शक्ति दी होती तो वह भी पूरी दुनिया को अपने सपनों के गीत सुनाता। झरना भी बह-बह कर गीत गा रहा है और गुलाब किनारे पर चुपचाप खड़ा है।

NCERT QUESTION

प्रश्न 5 – प्रकृति के साथ पशु पक्षियों के संबंध की व्याख्या कीजिए।

उत्तर – प्रकृति के साथ पशु पक्षियों का गहरा संबंध है। पशु पक्षी प्रकृति के बिना जीवित नहीं रह सकते। प्रकृति ही उन्हें आवास प्रदान करती है और भोजन प्रदान करती है।

NCERT QUESTION

प्रश्न 6 – मनुष्य को प्रकृति किस रूप में आंदोलित करती है? अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर – मनुष्य को प्रकृति भिन्न रूपों में आंदोलित करती है। जब मनुष्य किसी कल कल बहती नदी को देखता है तो उसके संगीत में खो जाता है। जब मनुष्य हल्की बारिश देखता है तो उसमें सराबोर होना चाहता है। लेकिन जब तेज तूफान आता है तो मनुष्य उससे बचकर किसी सुरक्षित ठिकाने पर चला जाता है।

NCERT QUESTION

प्रश्न 6 – मनुष्य को प्रकृति किस रूप में आंदोलित करती है? अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर – मनुष्य को प्रकृति भिन्न रूपों में आंदोलित करती है। जब मनुष्य किसी कल कल बहती नदी को देखता है तो उसके संगीत में खो जाता है। जब मनुष्य हल्की बारिश देखता है तो उसमें सराबोर होना चाहता है। लेकिन जब तेज तूफान आता है तो मनुष्य उससे बचकर किसी सुरक्षित ठिकाने पर चला जाता है।

NCERT QUESTION

प्रश्न 7 – सभी कुछ गीत है, अगीत कुछ नहीं होता। कुछ अगीत भी होता है क्या? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर – जब हमारी भावना हमारे होठों पर लयबद्ध तरीके से बाहर आती है तो उसे गीत कहते हैं। जब कोई भावना अंदर ही रहती है तो उसे अगीत कहते हैं। कभी कभी अगीत भी गीत बनकर स्फुटित हो उठता है। और प्रकृति के द्वारा किए गए शब्दों से कवि भी हैरान है और समझ नहीं पा रहा है कि कवि की भावनाऐं जो गीत बन कर बाहर आई है वह सुन्दर है या प्रकृति के बिना शब्दों वाला संगीत सुन्दर है।

ଧନ୍ୟବାଦ!